प्रेस नोट–146 / 2026
दिनांक 14.03.2026

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश।

यक्ष ऐप की सहायता से जौनपुर पुलिस ने कुछ ही घंटों में लूट की घटना का किया सफल अनावरण

पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश **श्री राजीव कृष्ण** के नेतृत्व में परिकल्पित एवं विकसित यक्ष ऐप राज्य में स्मार्ट पुलिसिंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण तकनीकी नवाचार के रूप में उभर रहा है।

इस एप्लीकेशन का औपचारिक शुभारंभ **माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश** द्वारा **"पुलिस मंथन"** कार्यक्रम के दौरान किया गया था, जो तकनीक आधारित पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राज्यव्यापी अपराधियों के डिजिटल डाटाबेस, स्थान आधारित सीसीटीवी कैमरों की पहचान तथा त्वरित विश्लेषणात्मक उपकरणों जैसी विशेषताओं से सुसज्जित यक्ष ऐप पुलिस इकाइयों को अपराधों के शीघ्र अनावरण एवं विवेचना में अत्यंत प्रभावी सहयोग प्रदान कर रहा है।

जनपद जौनपुर का एक हालिया उदाहरण यह दर्शाता है कि किस प्रकार यक्ष ऐप ने गंभीर अपराध के शीघ्र अनावरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिनांक 11 मार्च 2026 को जनपद जौनपुर में लूट की घटना के साथ गोली लगने की सूचना प्राप्त हुई (अपराध संख्या 50/2026, धारा 309(4) एवं 109(1) बीएनएस)।

घटना की सूचना मिलते ही जौनपुर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की तथा विवेचना के दौरान यक्ष ऐप की तकनीकी क्षमताओं का प्रभावी उपयोग किया।

विवेचना के दौरान उठाए गए प्रमुख कदम

- यक्ष ऐप की सहायता से पुलिस ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की त्वरित पहचान की।
- पुलिस टीमों द्वारा इन कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया गया, जिससे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान एवं घटना से पहले और बाद में अपराधियों के संभावित मार्ग का पता चला।
- मार्ग विश्लेषण के आधार पर तीन संभावित थाना क्षेत्रों की पहचान हुई, जहाँ से अपराधियों के आने की संभावना थी—थाना केराकत, थाना चंदवक तथा थाना गौराबादशाहपुर।
- यक्ष ऐप के डाटाबेस के माध्यम से इन तीनों थाना क्षेत्रों में पूर्व में लूट व छिनैती के मामलों में संलिप्त 232 अपराधियों का विवरण प्राप्त किया गया।
- इन संदिग्ध व्यक्तियों के फोटो एवं हुलिये पीड़ित को दिखाए गए, जिसके आधार पर कुछ ही घंटों के भीतर लूट की घटना में शामिल तीन अपराधियों की सटीक पहचान कर ली गई।
- यक्ष ऐप में अपराधियों के मल्टी-एंगल फोटोग्राफ उपलब्ध होने के कारण पीड़ित के लिए आरोपियों की पहचान करना अत्यंत आसान हो गया।

उल्लेखनीय है कि घटना लगभग रात्रि 9:00 बजे हुई थी और मात्र तीन घंटे के भीतर तीनों अभियुक्तों की पहचान कर ली गई।

तत्पश्चात पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। साथ ही लूटी गई काली स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (UP 62 AW 6194) तथा पीड़ित का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया।

<u>यक्ष ऐप की प्रमुख विशेषताएँ</u>

- पुलिस इकाइयों के लिए उपलब्ध राज्यव्यापी अपराधियों का डिजिटल डाटाबेस
- त्वरित साक्ष्य संकलन हेतु सीसीटीवी कैमरों का स्थान आधारित मानचित्रण
- प्रत्येक अपराधी को दिया गया यूनिक क्रिमिनल आईडी, जिससे जिलों के बीच सूचनाओं का सहज आदान-प्रदान संभव
- सटीक पहचान के लिए अपराधियों के मल्टी-एंगल फोटोग्राफिक रिकॉर्ड

<u>पारंपरिक रजिस्टर से डिजिटल पुलिसिंग की ओर</u>

- पूर्व में किसी अपराध की घटना के बाद विवेचकों को संबंधित क्षेत्र के पुराने अपराधियों की जानकारी प्राप्त करने के लिए थानों में संचालित विलेज क्राइम नोट बुक (रजिस्टर संख्या–08) पर निर्भर रहना पड़ता था।
- यक्ष ऐप के माध्यम से अब विवेचक राज्यभर के अपराधियों का डाटा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तुरंत प्राप्त कर सकते हैं, जिससे विवेचना की गति और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

<u>पुलिस महानिदेशक उ०प्र० श्री राजीव कृष्ण का वक्तव्य</u>

- “जौनपुर की लूट की घटना का सफल अनावरण इस बात का उदाहरण है कि तकनीक किस प्रकार पुलिसिंग में फोर्स मल्टीप्लायर की भूमिका निभा सकती है।
- माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस ऐसी पुलिसिंग व्यवस्था की ओर अग्रसर है, जहाँ पारंपरिक पुलिसिंग और आधुनिक तकनीक साथ-साथ आगे बढ़ रही हैं।
- जहाँ एक ओर हमारे पुलिसकर्मी सड़कों पर फुट पेट्रोलिंग और ग्राउंड इंटेलिजेंस को सशक्त बना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें यक्ष ऐप जैसे अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म और एआई आधारित उपकरणों से सुसज्जित किया जा रहा है।
- राज्यव्यापी अपराधी डाटाबेस, सीसीटीवी मैपिंग और विश्लेषणात्मक क्षमताओं के माध्यम से यह ऐप अधिकारियों को कुछ ही मिनटों में अपराध की कड़ियों को जोड़ने में सक्षम बनाता है।
- उत्तर प्रदेश पुलिस विज़िबल पुलिसिंग और इंटेलिजेंट पुलिसिंग के इन दो स्तंभों पर आगे बढ़ते हुए तेज़ अपराध अनावरण और नागरिकों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।”

पुलिस महानिदेशक द्वारा डीआईजी रेंज वाराणसी श्री वैभव कृष्ण, पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह एवम् उनकी समस्त पुलिस टीम को इस केस के सफल वर्कआउट के लिए बधाई दी गई है।

प्रेस नोट–147/2026
दिनांक 14.03.2026

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश।

जनपद बाराबंकी/थाना असन्द्रा

- **पुलिस कार्यवाही में 50 हजार रूपये का पुरस्कार घोषित अभियुक्त गिरफ्तार**
- **01 मोटर साइकिल**
- **01 अवैध तमंचा 315 बोर मय जीवित/खोखा कारतूस बरामद**

दिनांक 14.03.2026 को थाना असन्द्रा व स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा सूचना के आधार पर कन्धवापुर मोड के पास सिद्धौर से रामसनेहीघाट हाइवे पर मोटर साइकिल सवार बदमाश को रोकने का प्रयास किया गया तो बदमाश ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। पुलिस टीम द्वारा की गयी आत्मरक्षार्थ कार्यवाही में पुरस्कार घोषित अभियुक्त रूपेन्द्र उर्फ सूरज घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे/निशादेही से 01 मोटर साइकिल, 01 अवैध तमंचा 315 बोर मय जीवित/खोखा कारतूस बरामद हुये। घायल को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया।

उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार अभियुक्त थाना जहांगीराबाद पर पंजीकृत अभियोग में वांछित चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु रेन्ज स्तर से 50 हजार रूपये का पुरस्कार घोषित था। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध जनपद बाराबंकी, कमिश्नरेट लखनऊ के विभिन्न थानों पर डकैती, चोरी, धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट, गैंगेस्टर एक्ट आदि के लगभग 01 दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं।

इस सम्बन्ध में थाना असन्द्रा पुलिस द्वारा अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त

1–रूपेन्द्र उर्फ सूरज निवासी देवरी रूखारा थाना बक्शी का तालाब, लखनऊ।

बरामदगी

1–01 मोटर साइकिल।

2–01 अवैध तमंचा 315 बोर मय जीवित/खोखा कारतूस।

जनपद रायबरेली/थाना गदागंज

- **50 हजार रूपये का पुरस्कार घोषित अभियुक्त गिरफ्तार**
- **01 मोटर साइकिल**
- **01 अवैध तमंचा 315 बोर मय जीवित कारतूस बरामद**

दिनांक 14.03.2026 को थाना गदागंज पुलिस टीम द्वारा सूचना के आधार पर महामाया चौराहा से पुरस्कार घोषित अभियुक्त दयाशंकर उर्फ कल्लू को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे/निशादेही से 01 मोटर साइकिल, 01 अवैध तमंचा 315 बोर मय जीवित कारतूस बरामद हुये।

उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार अभियुक्त थाना गदागंज पर पंजीकृत अभियोग में वांछित चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु रेन्ज स्तर पर 50 हजार रूपये का पुरस्कार घोषित था। गिरफ्तार अभियुक्त हिस्ट्रीशीटर अपराधी है, जिसके विरूद्ध जनपद रायबरेली के विभिन्न थानों पर चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट, गैंगेस्टर एक्ट आदि के 16 अभियोग पंजीकृत हैं।

इस सम्बन्ध में थाना गदागंज पुलिस द्वारा अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त

1–दयाशंकर उर्फ कल्लू निवासी पूरे कतिकन थाना हरचन्दपुर जनपद रायबरेली।

बरामदगी

1–01 मोटर साइकिल।

2–01 अवैध तमंचा 315 बोर मय जीवित कारतूस।

जनपद मीरजापुर/थाना कोतवाली देहात

- **25 हजार रूपये का पुरस्कार घोषित अभियुक्त सहित 02 अभियुक्त गिरफ्तार**

दिनांक 14.03.2026 को थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम द्वारा सूचना के आधार पर पुरस्कार घोषित अभियुक्त 1–असफाक उर्फ लकी सहित अभियुक्त 2–साहिल को गिरफ्तार किया गया।

उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार अभियुक्त असफाक उर्फ लकी थाना कोतवाली देहात पर पंजीकृत अभियोग में वांछित चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु जनपद स्तर से 25 हजार रूपये का पुरस्कार घोषित था।

इस सम्बन्ध में थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त

1–असफाक उर्फ लकी निवासी बरौधा थाना कोतवाली कटरा जनपद मीरजापुर।

2–साहिल निवासी मुखरांव थाना कुछिला जनपद कैमूर , बिहार।

———————